रविवार, 17 मई, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

रायडू ने चिट सेलिब्रेशन पर बैन लगाने की मांग की

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

4 जून को नेटफ्लिक्स पर हो जाएगी रिलीज

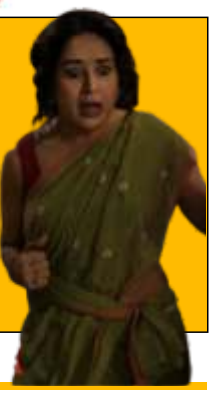

Page-05

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने यूरोपीय दौरे के तहत नीदरलैंड पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया।उन्होंने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री और शाही परिवार से मुलाकात कर व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग पर चर्चा की।भारत-नीदरलैंड संबंधों में सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और कृषि जैसे क्षेत्रों में साझेदारी को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

नीदरलैंड पहुंचे पीएम मोदी

व्यापार-तकनीक को मिलेगी नई रफ्तार

- **भारत और नीदरलैंड के बीच व्यापार 27.8 अरब डॉलर तक पहुंचा, निवेश संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं।**
- **पीएम मोदी ने स्वच्छ ऊर्जा, सेमीकंडक्टर और नई तकनीकों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पांच देशों के यूरोपीय दौरे के दूसरे चरण में नीदरलैंड पहुंचे, जहां उनका भव्य और गर्मजोशी से स्वागत किया गया। एम्स्टर्डम हवाई अड्डे पर नीदरलैंड के वरिष्ठ अधिकारियों, विदेश मंत्री टॉम बेरेंडसन, भारत के राजदूत कुमार तुहिन और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उनका अभिनंदन किया। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर रिश्तों में नई मजबूती देखने को मिल रही है।प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दौरे को भारत-नीदरलैंड संबंधों के लिए बेहद अहम बताते हुए कहा कि दोनों देश सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा, जल प्रबंधन, कृषि, स्वास्थ्य और अत्याधुनिक तकनीक जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक आर्थिक और तकनीकी माहौल में भारत और नीदरलैंड की साझेदारी नई संभावनाओं के द्वार खोल सकती है।अपने प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब येटेन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, हरित ऊर्जा, डिजिटल नवाचार और रणनीतिक सहयोग जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने नीदरलैंड के राजा विलेम अलेक्जेंडर और महारानी मैक्सिमा से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया।विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत और नीदरलैंड के बीच आर्थिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार करीब 27.8 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। इसके साथ ही नीदरलैंड भारत में चौथा सबसे बड़ा विदेशी निवेशक बन चुका है। मंत्रालय ने कहा कि यह दौरा व्यापार और निवेश के साथ-साथ नवाचार, तकनीक और सतत विकास के क्षेत्रों में भी नई दिशा प्रदान करेगा।

राहुल गांधी ने सरकार की कड़ी आलोचना

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शनिवार को NEET-UG परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद रद्द किए जाने पर सरकार की कड़ी आलोचना की और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर इस मुद्दे पर चुप्पी साधने का भी आरोप लगाया। गांधी ने कहा कि परीक्षा लीक में शामिल लोगों को तुरंत जेल भेजा जाना चाहिए। कांग्रेस सांसद ने माइक्रो-ब्लॉगिंग वेबसाइट X (पहले ट्विटर) पर एक वीडियो संदेश में कहा कि पूरा देश जानता है कि NEET का पेपर परीक्षा से ठीक दो दिन पहले WhatsApp पर लीक हो गया था... सच्चाई यह है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भारत की नींव को ही चोट पहुंचाई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता (LoP) गांधी ने आगे आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (BJP) और उसके वैचारिक मार्गदर्शक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के बीच भारत की शिक्षा प्रणाली और विश्वविद्यालयों के माध्यम से धन कमाने का गठजोड़ है। गांधी ने कहा कि विश्वविद्यालयों में आरएसएस, भाजपा और उनसे संबद्ध लोगों का धन कमाने का एक गठजोड़ है।

संजय सिंह का हमला, बोले- 'ट्रंप के दबाव में काम कर रही सरकार'

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अमेरिकी दबाव में रूस से सस्ता तेल खरीदने से बच रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि भारत को जहां से सबसे सस्ता तेल मिले, वहां से खरीदना चाहिए ताकि जनता को राहत मिल सके।संजय सिंह ने कहा कि ईंधन की बढ़ती कीमतों का असर सीधे आम लोगों की जेब पर पड़ता है। पेट्रोल-डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्ट, खाद्य पदार्थ और रोजमर्रा की चीजों की कीमतें भी बढ़ जाती हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भारत अपनी ऊर्जा नीति को स्वतंत्र रूप से तय कर पा रहा है या अंतरराष्ट्रीय दबाव में फैसले लिए जा रहे हैं।उन्होंने केंद्र सरकार से टैक्स कम करने और महंगाई से राहत देने की मांग की। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आने वाले समय में ईंधन कीमतों का मुद्दा विपक्ष के लिए बड़ा राजनीतिक हथियार बन सकता है।

सेना प्रमुख की पाकिस्तान को चेतावनी-

'तय कर लो भूगोल में रहोगे या इतिहास में'

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को आतंकवाद को लेकर कड़ा संदेश देते हुए कहा कि अब उसे तय करना होगा कि वह दुनिया के नक्शे पर जिम्मेदार देश बनकर रहना चाहता है या इतिहास का हिस्सा बनना चाहता है। नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह बयान दिया। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब भारत ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मनाई है। यह ऑपरेशन पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया था, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी।कार्यक्रम में जनरल द्विवेदी से पूछा गया कि यदि भविष्य में फिर ऐसी स्थिति बनती है तो भारतीय सेना की रणनीति क्या होगी। इस पर उन्होंने स्पष्ट कहा कि भारत

अपनी सुरक्षा और संप्रभुता से कोई समझौता नहीं करेगा। सेना प्रमुख ने कहा कि आतंकवाद को समर्थन देने वाले देशों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।उन्होंने कहा कि भारतीय सेना हर परिस्थिति के लिए तैयार है और देश की सीमाओं की रक्षा करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सेना प्रमुख का यह बयान भारत की बदलती सुरक्षा नीति और आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख को दर्शाता है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह संदेश केवल पाकिस्तान ही नहीं बल्कि उन सभी ताकतों के लिए है जो भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों को समर्थन देती हैं।

'जो पार्टी छोड़ना चाहते हैं, वे जा सकते हैं'

पश्चिम Bengal चुनाव में मिली हार के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पार्टी नेताओं और उम्मीदवारों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि जो लोग पार्टी के साथ नहीं रहना चाहते, वे जा सकते हैं।कालीघाट स्थित आवास पर हुई बैठक में टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी मौजूद रहे। ममता बनर्जी ने नेताओं से संगठन को दोबारा मजबूत करने और जमीनी स्तर पर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चुनावी हार अंतिम नहीं होती और पार्टी फिर मजबूती से वापसी करेगी।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी हार के बाद पार्टी के अंदर असंतोष बढ़ा है और कई नेताओं के दल छोड़ने की अटकलें लगाई जा रही हैं। ऐसे में ममता बनर्जी का यह बयान संगठन को एकजुट रखने की कोशिश माना जा रहा है।

भड़काऊ भाषण मामले में अभिषेक बनर्जी पर FIR

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कथित भड़काऊ भाषण देने के आरोप में तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बिधाननगर उत्तर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में आरोप लगाया गया है कि चुनावी सभाओं में दिए गए उनके भाषणों ने राजनीतिक तनाव और सार्वजनिक अशांति को बढ़ावा दिया।शिकायतकर्ता राजीव सरकार ने दावा किया कि मार्च और अप्रैल के दौरान महेशतला, नंदीग्राम, आरामबाग और हरिंघाटा में हुई रैलियों में अभिषेक बनर्जी ने विपक्षी कार्यकर्ताओं के खिलाफ धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल किया। शिकायत में कहा गया है कि इन भाषणों से हिंसा और राजनीतिक वैमनस्य फैलने की आशंका थी।एफआईआर दर्ज होने के बाद टीएमसी सांसद डोला सेन ने पार्टी का बचाव करते हुए कहा कि अंतिम जीत सत्य और न्याय की होगी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक कारणों से विपक्ष तृणमूल कांग्रेस को निशाना बना रहा है।पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं विपक्ष ने इस मामले को कानून-व्यवस्था और चुनावी मर्यादा से जोड़ते हुए कार्रवाई की मांग की है।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वार्टर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

पेट्रोल-डीजल महंगा पड़ते ही गिग वर्कर्स की हड़ताल आज 5 घंटे ठप रह सकती हैं फूड-ग्रॉसरी डिलीवरी सेवाएं

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में करीब 3 रुपये प्रति लीटर बढ़ोतरी के विरोध में गिग एंड प्लेटफॉर्म सर्विस वर्कर्स यूनियन (GIPSWU) ने शनिवार को 5 घंटे की सांकेतिक हड़ताल का ऐलान किया है।दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक Swiggy, Zomato, Blinkit और Zepto जैसी ऐप्स के डिलीवरी पार्टनर्स ऑफलाइन रहेंगे, जिससे ऑनलाइन फूड और ग्रॉसरी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

देशभर में ऑनलाइन खाना और राशन (Grcoery) ऑर्डर करने वाले उपभोक्ताओं को आज भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी के खिलाफ अपना कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए 'गिग एंड प्लेटफॉर्म सर्विस वर्कर्स यूनियन' (GIPSWU) ने शनिवार को पांच घंटे की सांकेतिक हड़ताल का आह्वान किया है। इस हड़ताल के तहत आज दोपहर 12:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक डिलीवरी पार्टनर्स अपने ऐप्स को ऑफलाइन रखेंगे, जिससे Swiggy, Zomato, Blinkit और Zepto जैसी प्रमुख ऐप-आधारित कंपनियों की सेवाएं पूरी तरह ठप रहने की आशंका है। शुक्रवार को, देश भर में ईंधन की कीमतों में लगभग 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद, GIPSWU ने सरकार और बड़े डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, दोनों से प्रति किलोमीटर सर्विस रेट में तत्काल बढ़ोतरी की मांग की। इसके अलावा, यूनियन ने कहा कि ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी उन्हें और भी ज़्यादा आर्थिक संकट में धकेल रही है। यूनियन ने कहा कि हज़ारों डिलीवरी पार्टनर्स और ड्राइवरों के लिए, ईंधन की बढ़ती कीमतों का मतलब है कि अब उन्हें सड़क पर ज़्यादा खर्च करना पड़ रहा है, जबकि दिन के आखिर में उनके हाथ में कम पैसे आ रहे हैं। GIPSWU ने यह भी चेतावनी दी कि ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से लगभग 1.2 करोड़ गिग वर्कर्स पर बुरा असर पड़ेगा, जो अपनी रोज़ाना की कमाई के लिए मोटरसाइकिलों और स्कूटरों पर निर्भर हैं। बढ़ोतरी के बाद, दिल्ली में पेट्रोल की कीमत अब लगभग 97.77 रुपये प्रति लीटर हो गई है, जबकि डीज़ल की कीमत 90.67 रुपये प्रति लीटर है। यह बढ़ोतरी अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मध्य पूर्व में चल रहे तनाव के बीच हुई है। GIPSWU ने चेतावनी दी कि अगर ईंधन और रखरखाव की बढ़ती लागत के अनुपात में उनकी कमाई नहीं बढ़ी, तो कई कर्मचारियों को इस क्षेत्र को छोड़ने पर मजबूर होना पड़ सकता है। GIPSWU ने कहा कि महिला गिग वर्कर्स, डिलीवरी कर्मचारी और ड्राइवर सबसे ज़्यादा प्रभावित लोगों में से हैं; इनमें से कई लोग खराब मौसम और भारी ट्रैफिक के बीच रोज़ाना 10 से 14 घंटे काम करते हैं। इसके अलावा, GIPSWU ने कहा कि उसने सरकार और प्रमुख डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म को ज्ञापन सौंपकर डिलीवरी दरों में संशोधन और ईंधन के लिए मुआवज़े की मांग की है। साथ ही, उसने आज के बंद को एक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन बताया, जिसका उद्देश्य पूरे देश में गिग और प्लेटफ़ॉर्म कर्मचारियों के सामने आ रहे आजीविका के बढ़ते संकट की ओर ध्यान आकर्षित करना है।

दिल्ली के स्कूलों को फीस वसूली पर नया निर्देश

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने राजधानी के सभी स्कूलों को स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि किसी भी अभिभावक से एक बार में एक महीने से अधिक की फीस लेना अनिवार्य नहीं किया जा सकता। विभाग ने कहा है कि यदि कोई स्कूल इस नियम का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा निदेशालय की अधिसूचना के अनुसार, कोई भी स्कूल किसी अभिभावक या संरक्षक को एक कैलेंडर महीने से अधिक की फीस एक ही किश्त में जमा करने के लिए बाध्य, मजबूर या विवश नहीं करेगा। विभाग ने दोहराया कि एक महीने से अधिक की फीस का भुगतान किसी भी स्थिति में अनिवार्य शर्त नहीं बनाया जा सकता। हालांकि आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई अभिभावक अपनी सुविधा से, बिना किसी दबाव या प्रलोभन के, एक महीने से अधिक की फीस एक साथ जमा करना चाहता है, तो उसे इसकी अनुमति दी जा सकती है। लेकिन स्कूल इस विकल्प को अनिवार्य नहीं बना सकते। शिक्षा विभाग ने यह भी साफ किया है कि कोई भी विद्यालय प्रवेश, नामांकन जारी रखने या छात्र से जुड़ी किसी भी सेवा के लिए अग्रिम शुल्क भुगतान को पूर्व शर्त के रूप में लागू नहीं करेगा। यानी फीस के कारण किसी छात्र की पढ़ाई या उससे संबंधित सुविधाओं पर कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ना चाहिए।आदेश के तहत सभी स्कूलों को यह निर्देश अपने नोटिस बोर्ड पर प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा। साथ ही सात कार्य दिवसों के भीतर इसे अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर भी अपलोड करना अनिवार्य किया गया है।

आतंकी नेटवर्क पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

तलाशी अभियान चलाया

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

जम्मू-कश्मीर के सोपोर में पुलिस ने शुक्रवार (16 मई, 2026) को पूरे कई जगहों पर तलाशी ली। यह तलाशी प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (JeI) के खिलाफ गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) के तहत दर्ज एक मामले के सिलसिले में की गई। प्रेस रिलीज में दी गई जानकारी के अनुसार, ये तलाशी आतंकवाद और अलगाववादी तंत्र, साथ ही प्रतिबंधित संगठनों से जुड़ी गतिविधियों पर चल रही कार्रवाई के हिस्से के तौर पर की गई। रिलीज में बताया गया कि ये तलाशी सोपोर पुलिस स्टेशन में UAPA अधिनियम की धारा 10 और 13 के तहत दर्ज FIR संख्या 42/2025 के सिलसिले में की गई। पुलिस टीमों ने 15 से ज्यादा जगहों पर तलाशी अभियान चलाया, जिनमें जामिया कदीम, नसीम बाग, क्रांकशिवन, तारज़ू, अमरगढ़, वारपोरा, बोमाई, बोइटिंगू और सोपोर के कई अन्य इलाके शामिल हैं। ये तलाशी नामित UAPA अदालत से उचित तलाशी वारंट प्राप्त करने के बाद की गई और कार्यकारी मजिस्ट्रेटों तथा स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार पूरी की गई। रिलीज़ के अनुसार, तलाशी के दौरान पुलिस ने आपत्तिजनक सामग्री जब्त की, जिसमें कथित तौर पर प्रतिबंधित संगठन से जुड़ा साहित्य भी शामिल है। इसे आगे की जांच और परीक्षण के लिए हिरासत में ले लिया गया है। प्रेस रिलीज में बताया गया कि यह कार्रवाई सोपोर पुलिस के उन व्यक्तियों की पहचान करने और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लगातार प्रयासों का हिस्सा है, जो कथित तौर पर प्रतिबंधित संगठनों और राष्ट्र-विरोधी नेटवर्क से जुड़ी गतिविधियों में शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि इस मामले में आगे की जांच जारी है। इससे पहले 10 मई को, सोपोर में जम्मू और कश्मीर पुलिस ने लगभग 20 लाख रुपये की एक अचल संपत्ति कुर्क की थी। इस रणनीति का उद्देश्य आतंकवाद के लिए होने वाली फंडिंग को रोकना, आतंकवादी तंत्र को बाधित करना और लोगों को गैर-कानूनी तथा राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने से रोकना है। पुलिस ने कहा कि आतंकवाद, आतंकवाद के लिए फंडिंग, आतंकवादियों को पनाह देने या आतंकवादी संगठनों को किसी भी रूप में सहायता प्रदान करने में शामिल सभी व्यक्तियों के खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

भड़काऊ भाषण मामले में अभिषेक बनर्जी पर FIR

TMC बोली- सत्य और न्याय की होगी जीत

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देने के आरोप में पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज किए जाने के बाद टीएमसी सांसद डोला सेन ने विश्वास व्यक्त किया कि सत्य और न्याय की जीत होगी। सेन की टिप्पणियों से एक दिन पहले, 15 मई को बिधाननगर उत्तर साइबर अपराध पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी। इसमें आरोप लगाया गया है कि बनर्जी ने राजनीतिक रैलियों और चुनाव प्रचार के दौरान भड़काऊ, धमकी भरे और उत्तेजक भाषण दिए, जिससे हिंसा भड़की, शत्रुता को बढ़ावा मिला और जन शांति भंग हुई। शिकायतकर्ता, राजीव सरकार ने मार्च और अप्रैल के बीच महेशतला, आरामबाग, हरिंघाटा और नंदीग्राम में बनर्जी द्वारा दी गई रैलियों के भाषणों का जिक्र किया, जिनमें उन्होंने कथित तौर पर विपक्षी कार्यकर्ताओं को धमकी दी और आक्रामक भाषा का प्रयोग किया जिससे सार्वजनिक अव्यवस्था और राजनीतिक अशांति पैदा होने की संभावना थी। बताया जाता है कि ये टिप्पणियां बनर्जी के आधिकारिक फेसबुक हैंडल, 'अभिषेक बनर्जी ऑफिशियल' और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से की गई थीं। पत्रकारों से बात करते हुए सेन ने कहा कि अंतिम फैसला हमेशा न्याय, सत्य और जनता के हाथ में होता है। इसलिए, हम दृढ़ता से मानते हैं कि इस मामले में भी अंतिम फैसला सत्य, न्याय और आम जनता के पक्ष में ही होगा। भारतीय न्याय संहिता की धारा 192, 196, 351(2) और 353(1)(सी) के साथ-साथ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 123(2) और 125 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले शनिवार को पश्चिम बंगाल के मंत्री दिलीप घोष ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की आलोचना करते हुए कहा कि ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी और उनके नेताओं ने तानाशाही तरीके से काम किया है।

ट्रंप के आदेश पर हुआ एक्शन

अबू-बिलाल अल-मिनुकीको मार गिराने का दावा

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिकी राष्ट्रपति Donald Trump ने दावा किया है कि उनके निर्देश पर ISIS के टॉप कमांडर Abu-Bilal al-Minuki को अफ्रीका में मार गिराया गया है। जानें ट्रंप ने और क्या-क्या कहा। अमेरिका ने ग्लोबल टेररिज्म के खिलाफ बड़ा एक्शन लेते हुए ISIS के टॉप कमांडर Abu-Bilal al-Minuki को मार गिराने का दावा किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति Donald Trump ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट के माध्यम से इस ऑपरेशन के बारे में बताया। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनके आदेश पर अमेरिकी फौज और नाइजीरिया की सेना ने जॉइंट ऑपरेशन में बेहद कठिन मिशन को अंजाम दिया। ट्रंप के मुताबिक, अबू-बिलाल अल-मिनुकी ISIS का ग्लोबल लेवल पर दूसरा सबसे बड़ा कमांडर था और वह अफ्रीका में पनाह लेकर टेरर एक्टिविटीज को ऑपरेट कर रहा था। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के पास आतंकी अल-मिनुकी के ठिकानों और गतिविधियों की जानकारी थी, जिसके चलते ही इस ऑपरेशन को कामयाबी से अंजाम दिया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि अबू-बिलाल अल-मिनुकी अफ्रीका में आतंकवाद फैलाने के साथ-साथ अमेरिकियों को टारगेट करने की साजिशों में भी शामिल रहा था। माना जा रहा है कि अल-मिनुकी के मारे जाने से ISIS के ग्लोबल नेटवर्क और ऑपरेशनल क्षमता को तगड़ा झटका लगा है। ट्रंप ने इस ऑपरेशन में सहयोग के लिए नाइजीरिया की सरकार को भी शुक्रिया कहा है। जानकारी के मताबिक, इस ऑपरेशन की लंबे वक्त से तैयारी की जा रही थी और इसमें अमेरिका की इंटेलिजेंस एजेंसियों, स्पेशल फोर्सेज और नाइजीरिया के सुरक्षा बलों ने साथ मिलकर काम किया। माना जा रहा है कि ये एक्शन ISIS के आतंकियों के लिए बड़ी चोट है। बता दें कि बीते कुछ वर्षों में अफ्रीका के अलग-अलग इलाकों में ISIS और उससे जुड़े आतंकवादी संगठनों की एक्टिविटीज बढ़ी हैं। ऐसे में अफ्रीकी देशों और अमेरिका के बीच Anti Terrorism Cooperation लगातार बढ़ा है।

संपादक की कलम से

जल जीवन का आधार है। मानव सभ्यता का विकास नदियों के किनारे हुआ और आज भी कृषि, उद्योग, ऊर्जा तथा दैनिक जीवन की लगभग हर गतिविधि जल पर निर्भर है। इसके बावजूद विडंबना यह है कि जिस संसाधन के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं, वही आज गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में देश के अनेक हिस्सों में जल संकट लगातार गहराता गया है। कहीं भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है, कहीं नदियाँ सिकुड़ रही हैं, तो कहीं वर्षा का असंतुलन स्थिति को और जटिल बना रहा है। गर्मियों के दिनों में कई शहरों और गाँवों में पीने के पानी की कमी सामान्य समस्या बन चुकी है। यह केवल प्राकृतिक कारणों का परिणाम नहीं, बल्कि मानव गतिविधियों से उत्पन्न असंतुलन का भी नतीजा है। जनसंख्या वृद्धि, अनियोजित शहरीकरण, भूजल का अत्यधिक दोहन, जल स्रोतों का अतिक्रमण और जल प्रदूषण ने समस्या को गंभीर बना दिया है। कई स्थानों पर वर्षा का पर्याप्त पानी होने के बावजूद उसका संचयन नहीं हो पाता, जिससे बड़ी मात्रा में जल व्यर्थ बह जाता है। दूसरी ओर, खेती और उद्योगों में पानी के असंतुलित उपयोग से उपलब्ध संसाधनों पर दबाव और बढ़ जाता है। जल संकट केवल संसाधन की कमी का प्रश्न नहीं है। इसका सीधा प्रभाव खाद्य सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामाजिक स्थिरता पर पड़ता है। जब जल सीमित होता है, तो उसके वितरण को लेकर विवाद बढ़ते हैं। आने वाले समय में यह संकट केवल स्थानीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक तनाव का कारण भी बन सकता है।समाधान केवल नई योजनाएँ बनाने में नहीं, बल्कि जल के प्रति दृष्टिकोण बदलने में है। वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण, नदियों और तालाबों का पुनर्जीवन, सिंचाई के आधुनिक तरीके और शहरी जल प्रबंधन इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। साथ ही, जल संरक्षण को केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक आंदोलन बनाना होगा। प्रत्येक नागरिक की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। घरों में पानी की बचत, रिसाव रोकना, अनावश्यक उपयोग से बचना और स्थानीय जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखना छोटे कदम हैं, लेकिन व्यापक प्रभाव डाल सकते हैं। स्पष्ट है कि जल संकट भविष्य की नहीं, वर्तमान की चुनौती है। यदि आज हम इसके प्रति गंभीर नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियों के सामने केवल विकास का नहीं, अस्तित्व का प्रश्न खड़ा हो सकता है। सच्चाई यह है कि जल का संरक्षण केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य की सुरक्षा का प्रश्न है।

यूरोप दौरे पर पीएम मोदी, व्यापार-तकनीक और हरित साझेदारी को मिलेगी नई रफ्तार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूरोप यात्रा का केंद्र भारत-यूरोपीय संघ के बीच व्यापार, निवेश, हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार सहयोग को मजबूत करना है।नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली के दौरे के दौरान पीएम मोदी रक्षा, एआई, नवीकरणीय ऊर्जा, स्टार्टअप और वैश्विक मुद्दों पर शीर्ष नेताओं से चर्चा करेंगे।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पीएम मोदी की यूरोप यात्रा ऐसे समय हो रही है जब भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को इस वर्ष अंतिम रूप दिया गया है। यात्रा का मुख्य फोकस व्यापार, निवेश, हरित प्रौद्योगिकी, नवाचार, स्टार्टअप और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना होगा। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों देशों के संबंध अब पारंपरिक व्यापार और कृषि से आगे बढ़कर सेमीकंडक्टर, रक्षा, समुद्री सहयोग और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों तक पहुंच चुके हैं। प्रधानमंत्री भारतीय समुदाय को भी संबोधित करने के अलावा शीर्ष कारोबारी नेताओं से भी बातचीत करेंगे। यूरोपीय देशों की यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री 19-20 मई को इटली जाएंगे। वहां उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से होगी। दोनों नेता व्यापार, निवेश और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री रोम स्थित संयुक्त राष्ट्र की संस्था फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन के मुख्यालय का भी दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि 2023 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी और मेलोनी के बीच सात मुलाकातें हो चुकी हैं। नीदरलैंड के बाद पीएम स्वीडन जाएंगे, जहां वह भारत-स्वीडन नवाचार साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। वार्ता में एआई, हरित परिवर्तन, रक्षा सहयोग, जलवायु कार्रवाई और उभरती तकनीकों पर विशेष ध्यान रहेगा। पीएम मोदी यूरोपीय उद्योग गोलमेज सम्मेलन में मुख्य अतिथि भी होंगे, जहां यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन भी मौजूद रहेंगी। प्रधानमंत्री अपनी यूरोप यात्रा के दौरान नॉर्वे भी जाएंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 43 वर्षों में पहली नॉर्वे यात्रा होगी। वहां वह पीएम योनास गार स्टोरे के साथ व्यापार, निवेश, ब्लू अर्थव्यवस्था, हरित प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष सहयोग पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री भारत-नॉर्वे बिजनेस एंड रिसर्च समिट को भी संबोधित करेंगे। 19 मई को ओस्लो में तीसरा भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें नॉर्वे, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड और स्वीडन के पीएम भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार नॉर्डिक देश प्रौद्योगिकी, नवाचार, डिजिटलीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत के अहम साझेदार बनकर उभरे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे की अहमियत समझाते हुए विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि नीदरलैंड यूरोप में भारत के सबसे बड़े व्यापारिक गंतव्यों में से एक है। वित्त वर्ष 2024-25 में 27.8 अरब अमेरिकी डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ। भारत में निवेश के मामले में ये चौथा सबसे बड़ा देश भी है। इसका कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) 55.6 अरब अमेरिकी डॉलर है। द्विपक्षीय संबंधों में नागरिकों की भी अहम भूमिका रही है। नीदरलैंड में भारतीय मूल और एनआरआई (नॉन रेसिडेंड इंडियंस) समुदाय के 90,000 से अधिक लोग रहते हैं। यहां सूरीनाम-हिंदुस्तानी समुदाय के भी 2,00,000 से अधिक सदस्य रहते हैं। डच विश्वविद्यालयों में वर्तमान में लगभग 3,500 भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने नीदरलैंड्स दौरे की कुछ तस्वीरें साझा की है। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा - कल नीदरलैंड्स में भारतीय प्रवासियों द्वारा किया गया स्वागत समारोह उल्लेखनीय था। इस स्वागत समारोह में कथक, ओडिसी, भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी और मोहिनीअट्टम जैसी नृत्य शैलियों का प्रदर्शन शामिल था। इसके अलावा, गरबा नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। इसमें महिलाओं-पुरुषों की एक टीम को सांस्कृतिक नृत्य पेश करते देखा गया। प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान कार्यक्रम पेश करने वाले कलाकारों के दल में शामिल गौतम ने कहा, 'हमने प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में गरबा प्रस्तुत किया। हमने उनसे बातचीत की। हम सभी उनकी नीदरलैंड यात्रा को लेकर बहुत खुश और उत्साहित हैं।'

आजम खान को अदालत ने सुनाई 2 साल की सजा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

रामपुर की MP/MLA कोर्ट ने समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता Azam Khan को 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान दिए गए विवादित बयान के मामले में दोषी करार दिया है। कोर्ट ने इस मामले में आजम खान को 2 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उन पर 5 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत के फैसले के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। यह मामला 2019 लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान दर्ज किया गया था। आरोप है कि चुनावी सभा में भाषण देते समय आजम खान ने तत्कालीन जिला अधिकारी (डीएम) को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उनके बयान को लेकर प्रशासन ने कड़ी आपत्ति जताई थी, जिसके बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, चुनावी सभा में आजम खान ने कहा था, "यह कलेक्टर पलेक्टर से मत डरियो, यह तंखैय्या है... मायावती जी के जूते साफ कराऊंगा..."। इस बयान को सरकारी अधिकारियों के खिलाफ अपमानजनक माना गया था। मामले की सुनवाई रामपुर की MP/MLA कोर्ट में चल रही थी। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के

बाद आजम खान को दोषी माना। कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक मंच से अधिकारियों के खिलाफ इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करना गलत है। इसके बाद अदालत ने उन्हें 2 साल की सजा और 5 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। कोर्ट के फैसले के बाद प्रदेश की राजनीति में हलचल बढ़ गई है। समाजवादी पार्टी के समर्थक इस फैसले पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं, जबकि विपक्षी दल इसे कानून की जीत बता रहे हैं। माना जा रहा है कि इस फैसले का असर आने वाले समय में आजम खान की राजनीतिक गतिविधियों पर भी पड़ सकता है। आजम खान पहले भी कई विवादित बयानों और मामलों को लेकर चर्चा में रह चुके हैं। उनके खिलाफ अलग-अलग मामलों में कई मुकदमे दर्ज हैं। हालांकि, समाजवादी पार्टी लगातार उनके समर्थन में खड़ी दिखाई देती रही है। अब इस नए फैसले के बाद एक बार फिर आजम खान सुर्खियों में आ गए हैं।

ममता बनर्जी ने पार्टी के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

हाल ही में संपन्न हुए पश्चिम बंगाल चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हाथों मिली करारी हार को आखिरकार स्वीकार करते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कथित तौर पर अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उम्मीदवारों से संगठन को फिर से खड़ा करने का आग्रह किया,

लेकिन उन लोगों के लिए एक संदेश भी दिया जो इस यात्रा में उनके साथ नहीं रहना चाहते। ममता बनर्जी ने कालीघाट स्थित अपने आवास पर टीएमसी के चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के साथ हुई बैठक में, जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी उपस्थित थे, कहा कि हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में करारी हार के बावजूद संगठन फिर से उठ खड़ा होगा। उनकी पार्टी तीन कार्यकाल सत्ता में रहने के बाद 2026 के राज्य चुनावों में भाजपा से हार गई। पार्टी के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया से अलग होने के इच्छुक नेताओं के लिए एक संदेश में, ममता बनर्जी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस छोड़ने के इच्छुक लोग ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं। सूत्रों के हवाले से बनर्जी के हवाले से कहा जा रहा कि जो लोग अन्य पार्टियों में जा रहे हैं, उन्हें जाने दें। मैं पार्टी का नए सिरे से पुनर्निर्माण करूंगी। जो लोग पार्टी में बने रहेंगे, उनसे मैं कहना चाहती हूं कि क्षतिग्रस्त पार्टी कार्यालयों का पुनर्निर्माण करें, उन्हें रंगें और फिर से खोलें। यदि आवश्यक हुआ, तो मैं भी उन्हें रंग दूंगी। तृणमूल कांग्रेस कभी नहीं झुकेगी। जनता के जनादेश की लूट हुई है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 4 मई को राज्य में गिनी गई 293 विधानसभा सीटों में से, टीएमसी केवल 80 सीटें ही जीत पाई, जो पिछले राज्य चुनावों में उसकी 215 सीटों की तुलना में एक बड़ी गिरावट है। बंगाल में 294 विधानसभा सीटें हैं, हालांकि, एक निर्वाचन क्षेत्र - फाल्टा - में 21 मई को पुन: मतदान होना है। ममता बनर्जी खुद भी उस सीट से हार गईं, जहां से उन्होंने चुनाव लड़ा था - भाबनीपुर, जिसे लंबे समय से उनका राजनीतिक गढ़ माना जाता था। टीएमसी ने 291 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, जबकि दार्जिलिंग पहाड़ियों की तीन सीटें अपने सहयोगी भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा (बीजीपीएम) के लिए छोड़ दी थीं, जिसका नेतृत्व अनित थापा कर रहे थे। इनमें से केवल 80 उम्मीदवार ही विजयी हुए, जबकि 211 हार गए, जिनमें कई दिग्गज नेता और मंत्री शामिल थे। कालीघाट में यह बैठक उन उम्मीदवारों के लिए आयोजित की गई थी जिन्हें पार्टी के टिकट पर मैदान में उतारा गया था। यह बैठक आंतरिक असंतोष की खबरों और चुनाव परिणामों के बाद संभावित दलबदल की अटकलों के बीच हुई।

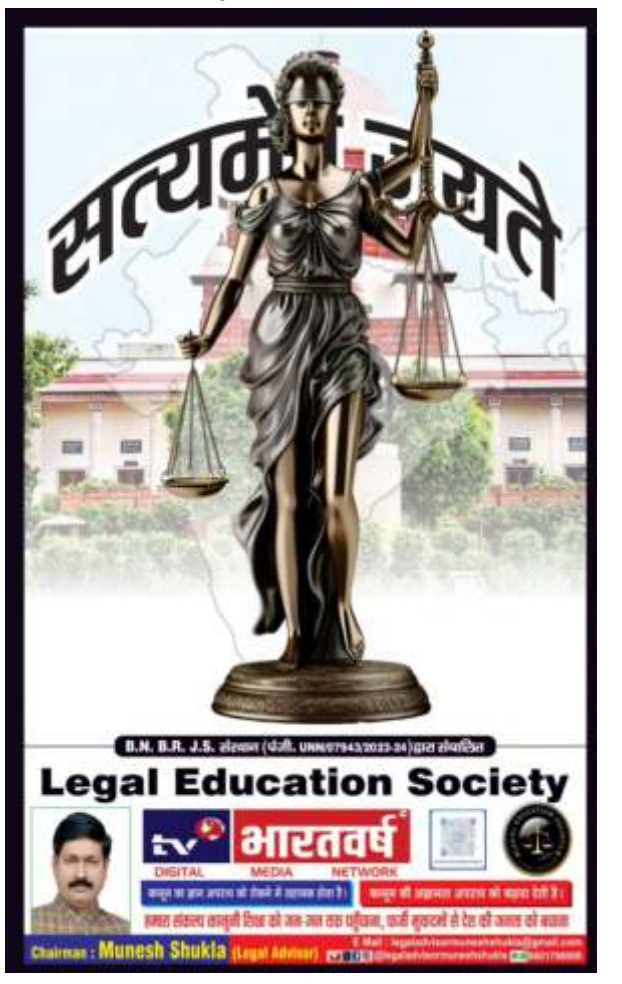

PM Internship 2026: फ्रेशर्स के लिए सुनहरा मौका

इंटर्नशिप के साथ मिलेगा ₹9000 स्टाइपेंड

आज के समय में नए ग्रेजुएट्स और फ्रेशर्स के लिए नौकरी मिलना आसान नहीं रहा है. कई बार लाख कोशिशों के बाद भी रिज्यूम भेजने पर कंपनियों से कोई रिस्पॉन्स नहीं मिलता है. ऐसे में अगर आप भी ऐसे ही परेशानी का सामना कर रहे हैं और अपने करियर की शुरुआत करने का सही मौका ढूंढ रहे हैं, तो प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम (PM Internship 2026) आपके लिए एक शानदार अवसर हो सकता है. इस स्कीम के जरिए आप देश की प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित कंपनियों में काम करके अच्छा और प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस हासिल कर सकते हैं. साथ ही इस दौरान आपको हर महीने 9000 का स्टाइपेंड भी मिलेगा, जो आपकी पढ़ाई और खर्चों में मदद करेगा. प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम (P M Internship Scheme) एक सरकारी पहल है, जो भारत के युवा फ्रेशर्स को प्रोफेशनल एक्सपीरियंस और ट्रेनिंग देने के लिए बनाई गई है. इस इंटर्नशिप में आप बड़ी और अच्छी कंपनियों में काम करके अपने स्किल्स को मजबूत कर सकते हैं. इसकी मदद से देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में काम करने का मौका और असली काम का एक्सपीरियंस मिलता है. साथ ही हर महीने स्टाइपेंड और भविष्य में नौकरी पाने में मदद भी मिलती है. इंटर्नशिप में आवेदन करने के लिए कुछ नियम हैं, जिन्हें पूरा करना जरूरी है. जिसमें आवेदक भारत के नागरिक होना चाहिए. विदेशी छात्र आवेदन नहीं कर सकते हैं. इसके अलावा 10वीं या 12वीं पास, ITI / पॉलिटेक्निक डिप्लोमा, ग्रेजुएट (BA, BSc, BCom, BBA, B-Pharma, BE/BTech), पोस्ट ग्रेजुएट (MA, MSc, MCom, MTech), ऑनलाइन या डिस्टेंस लर्निंग से डिग्री पूरी

करने वाले भी आवेदन कर सकते हैं. साथ ही इसमें एज लिमिट 18 से 25 वर्ष के बीच है. इस इंटर्नशिप का समय कंपनियों की जरूरत के अनुसार 6 महीने या 9 महीने हो सकती है. साथ ही इसमें मासिक स्टाइपेंड 9000 है. कुछ कंपनियां अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी दे सकती हैं. हर कंपनी की इंटर्नशिप के लिए अलग- अलग आवेदन की लास्ट डेट होती है. जैसे हिंदुस्तान पेट्रोलियम में इंटर्नशिप के लिए 22 मई तक अप्लाई किया जा सकता है. अशोका लेलैंड में 8 मई इंटर्नशिप रजिस्ट्रेशन की लास्ट है और सेल की 22 मई 2026 है. सभी डिटेल्स और लास्ट डेट की जानकारी आप ऑफिशियल वेबसाइट pminternship.mca.gov.in पर जाकर देख सकते हैं. पीएम इंटर्नशिप 2026 के लिए आवेदन कैसे करें?

1. इंटर्नशिप में आवेदन करने के लिए ऑफिशियल वेबसाइट pminternship.mca.gov.in पर जाएं.

2. इसके बाद Featured Internship पर क्लिक करें, यहां आपको सभी कंपनियों की लिस्ट दिखेगी.

3. अब View Details पर क्लिक करें और जिस कंपनी में आवेदन करना है, उसका चयन करें.

4. आप अब Apply Now ऑप्शन पर क्लिक करें, अगर आप पहले से रजिस्टर्ड हैं, तो लॉगिन करें और नए यूजर मोबाइल नंबर के जरिए रजिस्ट्रेशन करें.

5. इसके अपना फॉर्म भरें, जरूरी जानकारी जैसे नाम, माता-पिता का नाम, शैक्षणिक जानकारी, उम्र, श्रेणी, मार्क्स, पता सही से भरें, साथ ही फोटो और साइन अपलोड करें.

6. लास्ट में सभी जानकारी सही होने के बाद फॉर्म सबमिट करें.

KKR के सामने करो या मरो की स्थिति

IPL 2026 अब अपने सबसे रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका है, जहां हर मुकाबला प्लेऑफ की तस्वीर बदल रहा है।16 मई को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में होने वाला मुकाबला भी कुछ ऐसा ही होने वाला है, जब तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना 2022 की विजेता गुजरात टाइटंस से होगा। एक तरफ KKR की टीम प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा रखने के लिए मैदान में उतरेगी, तो दूसरी ओर गुजरात जीत के साथ आधिकारिक तौर पर प्लेऑफ में जगह पक्की करना चाहेगी। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली KKR का IPL 2026 सीजन उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। टीम ने अपने पहले 6 मुकाबलों में एक भी जीत हासिल नहीं की थी, जिससे उनका अभियान लगभग खत्म माना जाने लगा था। लेकिन इसके बाद कोलकाता ने शानदार वापसी करते हुए लगातार चार मैच जीतकर प्लेऑफ की रेस में खुद को वापस ला खड़ा किया। हालांकि, पिछले मुकाबले में RCB के खिलाफ मिली हार ने KKR की मुश्किलें फिर बढ़ा दीं। फिलहाल टीम 11 मैचों में 9 पॉइंट के साथ पॉइंट्स टेबल में आठवें स्थान पर है। अब कोलकाता के लिए समीकरण बेहद साफ है। अगर टीम को प्लेऑफ में पहुंचना है तो उसे अपने बाकी सभी मुकाबले जीतने होंगे। इसके बाद नेट रन रेट और दूसरी टीमों के नतीजे तय करेंगे कि KKR टॉप-4 में जगह बना पाती है या नहीं। दूसरी तरफ शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस इस समय शानदार फॉर्म में नजर आ रही है। टीम लगातार पांच मैच जीत चुकी है और 12 मुकाबलों में 16 पॉइंट के साथ पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर बनी हुई है। अगर गुजरात आज KKR को हरा देती है, तो वह IPL 2026 प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन जाएगी। इतना ही नहीं, टीम पॉइंट्स टेबल में नंबर-1 स्थान पर भी पहुंच जाएगी।

अंशुल कंबोज के नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड

एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के खाने वाले गेंदबाज बन गए

जीत के बाद ऋषभ पंत ने क्या कहा?

डियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में भले ही लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) प्लेऑफ की रेस से आधिकारिक तौर पर बाहर हो चुकी है, लेकिन टीम ने हार नहीं मानी है। शुक्रवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में एलएसजी ने चेन्नई सुपर किंग्स को 7 विकेट से हराकर अपने होम ग्राउंड के सफर का अंत एक धमाकेदार जीत के साथ किया। लखनऊ की इस जीत ने चेन्नई सुपर किंग्स की प्लेऑफ की उम्मीदों को बहुत बड़ा झटका दिया है। मैच जीतने के बाद लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत बेहद खुश और संतुष्ट नजर आए। उन्होंने टीम की तारीफ करते हुए कहा, 'जीत दर्ज करना हमेशा अच्छा लगता है। भले ही हमारा सीजन जैसा भी खत्म हो रहा हो, लेकिन हमारे पास मैदान पर उतरकर खेलने की एक बड़ी वजह थी। हम इस तरह का खेल दिखाने में बहुत गर्व महसूस करते हैं। चार तेज गेंदबाजों की रणनीति हमारे लिए काम कर रही है। हमारे पास जो टीम है, मैं फिर से कहूंगा कि वह वाकई कमाल की है। बस एक ही चीज जो हमें नुकसान पहुंचा सकती है, वह है किसी परिस्थिति में बहुत ज्यादा सोच-विचार करना।' इस मैच में जब पंत अपनी रेगुलर बैटिंग पोजीशन (नंबर 4) पर बल्लेबाजी करने नहीं आए। मैच के बाद उन्होंने खुद इसके पीछे की वजह का खुलासा किया। पंत ने कहा, 'मैं आज बल्लेबाजी के लिए पूरी तरह तैयार था। लेकिन दिमाग में यह आइडिया आया कि क्यों न उन खिलाड़ियों को आजमाया जाए जो ज्यादा नहीं खेल पाए हैं। मैं खुद क्रीज पर जाना चाहता था, लेकिन कभी-कभी आपको कुछ फैसलों का सम्मान करना पड़ता है।' इस करारी हार के बाद CSK अब प्लेऑफ की रेस में भारी दबाव में आ गई है। अब उन्हें न सिर्फ अपने बाकी बचे मैच जीतने होंगे, बल्कि दूसरी टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा। C S K के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने मैच के बाद माना कि उनके गेंदबाजों का दिन खराब था और वे लखनऊ के आक्रामक बल्लेबाजों के सामने अपनी प्लानिंग को सही से लागू नहीं कर पाए।

रचिन रविंद्र टीम की तैयारियों के लिए स्वदेश लौट गए

न्यूजीलैंड के स्टार खिलाड़ी रचिन रविंद्र, जो कोलकाता नाइट राइडर्स की आईपीएल 2026 टीम का हिस्सा हैं, ने अपने बचे हुए तीन लीग मैचों से पहले कोलकाता स्थित फ्रेंचाइजी को छोड़ दिया है। शुक्रवार (15 मई) को केकेआर के आधिकारिक फेसबुक हैंडल पर साझा किए गए एक वीडियो में, रचिन को न्यूजीलैंड रवाना होने से पहले अपने साथियों से मिलते हुए देखा जा सकता है। वीडियो पोस्ट के कैप्शन में फ्रेंचाइजी द्वारा साझा की गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, रचिन राष्ट्रीय टीम की तैयारियों के लिए घर लौट रहे हैं। वीडियो के कैप्शन में लिखा गया कि रचिन को राष्ट्रीय टीम की तैयारियों के लिए घर लौटने पर नाइट्स की ओर से शुभकामनाएं। न्यूजीलैंड अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए तैयार है। सीरीज का पहला मैच 4 से 8 जून तक लंदन के लॉर्ड्स में खेला जाएगा, और अगले दो टेस्ट मैच ओवल (17-21 जून) और ट्रेंट ब्रिज

(25-29 जून) में होंगे। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल खेल चुके रचिन न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम का हिस्सा हैं, जिसकी कप्तानी टॉम लैथम करेंगे। हालांकि आईपीएल के मौजूदा सीजन में रचिन को केकेआर के लिए एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन वे न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम के अहम सदस्य हैं और लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड की टीम में उनका प्लेइंग इलेवन में होना तय है।

रायुडू ने चिट सेलिब्रेशन पर बैन लगाने की मांग की

IPL 2026 में खिलाड़ियों के अनोखे सेलिब्रेशन लगातार चर्चा का विषय बने हुए हैं, लेकिन आकाश सिंह का चिट सेलिब्रेशन अब विवादों में घिर गया है। लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 26 रन देकर 3 विकेट झटके, लेकिन विकेट लेने के बाद जेब से पर्ची निकालकर दिखाने वाला उनका अंदाज कई क्रिकेट दिग्गजों को बिल्कुल पसंद नहीं आया। मैच के दौरान हर विकेट के बाद आकाश सिंह अपनी जेब से एक छोटी पर्ची निकालते नजर आए। बाद में खुलासा हुआ कि उस पर्ची पर मोटिवेशनल मैसेज लिखा था- #Akkionfire, आकाश जानता है कि T20 मैच में विकेट कैसे लिए जाते हैं।IPL 2026 में यह चिट सेलिब्रेशन नया ट्रेंड बनता जा रहा है। इससे पहले उर्विल पटेल और रघु शर्मा भी इस तरह के सेलिब्रेशन करते नजर आ चुके

हैं। हालांकि, आकाश सिंह का यह अंदाज कई पूर्व क्रिकेटरों को रास नहीं आया। अंबाती रायुडू ने ESPNcricinfo पर इस सेलिब्रेशन को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वह बस यह जानना चाहता हैं कि आज किस समय उसे लगा होगा कि अरे यह बहुत शानदार लगेगा, वह इसे टीवी पर निकालेंगे और सब सोचेंगे कि वह बहुत कूल हैं। वह यह भी जानना चाहता हैं कि उसके कौन से दोस्त थे जिन्होंने उसे कहा कि यह बहुत बढ़िया आइडिया है। रायुडू ने आगे कहा कि हो सकता है कि बहुत लोगों को यह पसंद न आए, लेकिन यह थोड़ा मजाकिया और थोड़ा बकवास है। वहीं, साउथ अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर अपनी प्रतिक्रिया दी। स्टेन ने लिखा कि अब समय आ गया है कि इन पर्चियों को हटाया जाए। यह अब ट्रेंड में नहीं है। सच कहूं तो यह कभी था भी नहीं।

नई किताब के दावों ने फ्रांस के राष्ट्रपति महल में मचाया हड़कंप

मैक्रों को थप्पड़ के पीछे 'एक्ट्रेस' का हाथ?

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को उनकी पत्नी ने पिछले साल थप्पड़ जड़ा था. उस घटना का वीडियो काफी वायरल हुआ है. अब उसी मामले से जुड़ा एक और पहलू सुर्खियों में है और सोशल मीडिया पर उसकी काफी चर्चा हो रही है.

फ्रांस के राष्ट्रपति को थप्पड़ लगाने वाला मामला फिर चर्चा में है. (Photo - Instagram)

पिछले साल एक विदेश यात्रा के दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को उनकी पत्नी ने थप्पड़ मारा था. इस घटना का वीडियो खूब वायरल हुआ था. काफी दिनों तक सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा होती रही थी. एक बार फिर से यह घटना सुर्खियों में है. इस बार इस घटना की चर्चा, इसके संभावित वजह के कारण हो रही है. एक पत्रकार ने दावा किया है कि इमैनुएल मैक्रों को उनकी पत्नी ब्रिगेट मैक्रों ने एक ईरानी एक्ट्रेस की वजह से थप्पड़ जड़ा था. सोशल मीडिया पर ऐसे कई पोस्ट भी वायरल हो रहे हैं, जिनमें मैक्रों को थप्पड़ जड़ने की वजह पर चर्चा हो रही है. वहीं न्यूयॉर्क पोस्ट के रिपोर्ट के हवाले से भी बताया गया है कि एक नई किताब में किए गए सनसनीखेज दावों के अनुसार, पिछले साल विदेश यात्रा के दौरान फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को उनकी पत्नी ने थप्पड़ मारा था , क्योंकि उन्हें उनके फोन पर एक युवा अभिनेत्री का आपत्तिजनक संदेश मिला था. पत्रकार फ्लोरियन टार्डिफ ने आरटीएल फ्रांस के साथ एक इंटरव्यू में दावा किया है कि ब्रिगेट मैक्रोन का अपने पति को थप्पड़ जड़ने का जो वीडियो वायरल हुआ था. उस घटना के पीछे की वजह ईरानी मूल की गोल्शिफ्तेह फराहानी नाम की 42 साल की एक्ट्रेस को उनके पति की तरफ से भेजा गया मैसेज है.

अचानक जंगल में क्यों नाचने लगे हिरण?

इंटरनेट पर अक्सर ऐसी वीडियो सामने आते हैं, जो ख़बरों की सुर्खियां बन जाते हैं. इन दिनों सोशल मीडिया पर हर जगह एक वीडियो छाया हुआ है, जिसमें एक हिरण अजीब हरकत करता दिख रहा है. वह एक ही जगह पर गोल-गोल घूमता और नाचता दिख रहा है. किसी ने हिरण की इस हरकत को कैद कर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया. एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, यह वीडियो फ्रांस के ग्रामीण इलाके का बताया जा रहा है.

एसी सर्विस से मना करने वाले शख्स ने जीता दिल

300 रूपये के लिए जान क्यों दांव पर लगाऊं?

सोशल मीडिया पर एक एसी टेक्नीशियन का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक खतरनाक जगह पर लगे एसी की सर्विस करने से साफ मना कर देता है. यह मामला खारघर की एक ऊंची बिल्डिंग का बताया जा रहा है, जहां 23वीं मंजिल पर एसी का आउटडोर यूनिट बालकनी से काफी दूर बाहर की तरफ लगाया गया है. वीडियो में टेक्नीशियन लोगों को समझाता है कि वह इस काम को क्यों नहीं कर सकता. वह दिखाता है कि एसी यूनिट इतनी खतरनाक जगह पर लगी है कि वहां तक पहुंचना आसान नहीं है. अगर कोई व्यक्ति वहां सर्विस करने जाता है, तो गिरने का खतरा बहुत ज्यादा है. टेक्नीशियन कहता है

कि सिर्फ 300–400 रुपये के लिए कोई अपनी जान खतरे में क्यों डालेगा. वह आगे कहता है कि अगर काम करते समय कोई हादसा हो जाता है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? उसके मुताबिक, इस तरह के काम में कोई भी सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए हैं, जैसे कि सेफ्टी बेल्ट, मजबूत प्लेटफॉर्म या अन्य जरूरी उपकरण. ऐसे में वहां काम करना बहुत ही खतरनाक है.

मेकिंग का वीडियो देख उड़ जाएंगे होश

आखिर कैसे बनती है 1 रूपये वाली चुस्की?

जैसे ही गर्मी ने अपना रंग दिखाना शुरू किया, सोशल मीडिया पर भी उसी के हिसाब से वीडियो शेयर होने लगे हैं. कहीं मिट्टी पर पापड़ सेंकने वाली महिला के वीडियो आ रहे हैं तो कहीं कोल्ड ड्रिंक से जुड़े वीडियो शेयर हो रहे हैं. इसी बीच, सोशल प्लेटफॉर्म पर 1 रुपये वाली चुस्की के वीडियो भी शेयर हो रहे हैं, जिनमें दिखाया जा रहा है कि आखिर इसे कैसे बनाया जाता है. इन वीडियो पर कई लोग कमेंट कर रहे हैं कि इन वीडियो ने बचपन की याद दिला दी जबकि कुछ लोग इस चुस्की को बनाए जाने के तरीके पर बात कर रहे हैं. वीडियो में दिख रहा है कि इन्हें बहुत ही गंदे तरीके से बनाया जा रहा है. तो आज इन वीडियो के जरिए देखते हैं कि आखिर 1 रुपये वाली चुस्की कैसे बनती है. वायरल हो रहे वीडियो

सोशल मीडिया पर चुस्की पैकेट्स के वीडियो वायरल हो रहे हैं.

में दिखाया जा रहा है कि इन चुस्की में सिर्फ कैमिकल कलर मिलाए जा रहे हैं. पहले पानी में कलर घोला जाता है और फिर कलर डालकर इसे तैयार किया जा रहा है. एक मिल्क चुस्की वाले वीडियो में दिख रहा है कि पहले दूध को गर्म किया जा रहा है और फिर एक खास तरह के कलर से एक घोल तैयार किया जा रहा है. इसके बाद पानी से साथ उसमें वो कलर मिलाया जा रहा है और उन्हें पैक कर दिया जा रहा है. वहीं, एक वीडियो में दिख रहा है कि पानी में चीनी डालकर गर्म किया जा रहा है और फिर उसमें कलर मिलाकर अलग बाल्टियों में भरा जा रहा है. इसके बाद उन्हें छोटी प्लास्टिक की थैलियों में भरा जा रहा है और मशीन के जरिए पैक किया जा रहा है.

4 जून को नेटफ्लिक्स पर हो जाएगी रिलीज सुरेश त्रिवेनी की फिल्म 'मां बहन'

माधुरी दीक्षित ने बीते दिनों अपनी सीरीज मिसेज देशपांडे में कमाल का एक्शन दिखाया था और खूब तारीफें बटोरी थीं। अब माधुरी एक बार फिर ओटीटी पर फिल्म लेकर आ रही हैं। इस फिल्म का नाम है 'मां बहन' और ये फिल्म 4 जून को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो जाएगी। मेकर्स ने आज शुक्रवार को एक पोस्ट शेयर कर इसका खुलासा किया है। यह घोषणा माधुरी दीक्षित के जन्मदिन पर की गई और नेटफ्लिक्स ने फिल्म की पहली झलक जारी की। इस पोस्ट को कैप्शन के साथ साझा किया गया, 'धक धक हो रहा है? तारीख नोट कर लो। 4 जून को रिलीज हो रही 'मां बहन' सिर्फ नेटफ्लिक्स पर देखें।' सुरेश त्रिवेनी की फिल्म 'मां बहन' एक अव्यवस्थित मां-बेटी की तिकड़ी रेखा, जया और सुषमा की कहानी है, जिनके जीवन में उस समय उथल-पुथल मच जाती है जब अचानक उनकी रसोई में एक शव मिलता है। सच को छिपाने की कोशिश में, परिवार झूठ, दहशत और दखल देने वाले पड़ोसियों के बीच उलझ जाता है, जो एक तेज-तर्रार कॉमेडी बन जाती है। फिल्म में माधुरी दीक्षित रेखा की भूमिका में हैं, साथ ही तृप्ति डिमरी और धरना दुर्गा उनकी बेटियों के रूप में हैं। रवि किशन भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। कलाकारों में गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज शामिल हैं। अबंडेंटिया एंटरटेनमेंट और ओपनिंग इमेज फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म को विक्रम मल्होत्रा और सुरेश त्रिवेनी का समर्थन प्राप्त है। कहानी सुरेश त्रिवेनी और पूजा तोलानी ने लिखी है, जिन्होंने पटकथा और संवाद भी लिखे हैं। फिल्म में माधुरी दीक्षित और पूजा तोलानी ने ही पटकथा और संवाद लिखे हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए, अबंडेंटिया एंटरटेनमेंट के संस्थापक और सीईओ विक्रम मल्होत्रा ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'मां बहन एक ऐसी कहानी है जो अपने साहसिक विचार से आपको बांधे रखती है और अपनी भावनात्मक सच्चाई के कारण लंबे समय तक आपके दिलों में बसी रहती है। अराजकता और हास्य के नीचे, परिवार, समाज और इस भेदभावपूर्ण दुनिया में जीवित रहने के लिए लोगों द्वारा किए जाने वाले विकल्पों की एक गहरी मानवीय कहानी छिपी है।'

भर्ती परीक्षाओं के चलते जून-जुलाई में शिक्षक नहीं छोड़ सकेंगे जिला मुख्यालय, तबादले को लेकर भी बढ़ा असंतोष

उत्तर प्रदेश में जून-जुलाई के दौरान होने वाली भर्ती और बोर्ड परीक्षाओं को देखते हुए माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मी बिना अनुमति जिला मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। प्रशासन ने परीक्षा ड्यूटी और जनगणना कार्य को लेकर सख्ती बढ़ाई है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मी जून-जुलाई में जिला मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। इस दौरान होने वाली भर्ती परीक्षाओं के कारण शिक्षकों के जिला मुख्यालय छोड़ने पर रोक रहेगी। जिला स्तर पर डीआईओएस द्वारा इसके आदेश जारी किए जा रहे हैं। जून-जुलाई में लेखपाल भर्ती लिखित परीक्षा, पुलिस भर्ती, जीआईसी प्रवक्ता, बीएड परीक्षा, यूपीटेट समेत आधा दर्जन से अधिक परीक्षाएं प्रस्तावित हैं। इसके साथ ही जनगणना का भी भौतिक काम शुरू होने वाला है। ऐसे में ये शिक्षक गर्मी की छुट्टियों का भी लाभ नहीं उठा सकेंगे। डीआईओएस की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि आकस्मिक व वैध कारण होने पर ही जिला विद्यालय निरीक्षक की अनुमति से वे जिला मुख्यालय से बाहर जा सकेंगे। इसके लिए उन्हें लिखित अनुमति लेनी होगी। वहीं माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव ने कहा कि परीक्षा कराने के लिए अनुभवी शिक्षकों की जरूरत होती है। लिहाजा स्कूलों के शिक्षक व स्टाफ को ही इसमें ड्यूटी लगाई जाती है। कक्ष निरीक्षक बनाया जाता है ताकि किसी प्रकार की कोई समस्या न हो। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने समूह क श्रेणी के दो अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। विभाग के संयुक्त सचिव संदीप परमार की ओर से जारी आदेश के अनुसार अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) सुरेंद्र कुमार तिवारी को अपर शिक्षा निदेशक (व्यावसायिक शिक्षा) के पद पर तैनात किया गया है। वहीं अपर शिक्षा निदेशक (व्यावसायिक शिक्षा) मनोज कुमार द्विवेदी को अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) बनाया गया है। इन अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करके इसका प्रमाण शासन को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। प्रदेश के आकांक्षी जिलों के परिषदीय विद्यालयों में तैनात शिक्षकों ने अपने साथ दोहरा व्यवहार करने और तबादले का लाभ न देने का आरोप लगाया है। अपने तबादले के लिए कई जिलों के शिक्षक शुक्रवार को बेसिक से माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के चक्कर काटते रहे लेकिन उन्हें कोई प्रभावी आश्वासन नहीं मिला है। शिक्षकों ने बताया कि वर्ष 2018 और 2020 में इन जिलों के तबादले पर रोक लगा दी गई थी। 2023 में मात्र 10 फीसदी शिक्षकों के ही तबादले हुए। इसमें अधिक भारांक वाले शिक्षकों का ही तबादला हुआ। वरिष्ठ शिक्षक इससे वंचित हैं। उन्होंने कहा कि बेसिक शिक्षा नियमावली के तहत वरिष्ठता के आधार पर एक से दूसरे जिले में तबादला किया जाए। इसमें भारांक की भेदभावपूर्ण नीति को समाप्त किया जाए। वहीं, इन जिलों में लगी अघोषित रोक को तत्काल हटाया जाए ताकि हमारे परिवार को राहत मिल सके। शिक्षकों ने इस गर्मी की छुट्टी में इस आधार पर जल्द तबादला प्रक्रिया पूरी करने की मांग उठाई।

लखनऊ में शनिवार को महिलाओं ने रखा वट सावित्री व्रत

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में शनिवार को महिलाओं ने वट सावित्री व्रत रखा। सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी आयु के लिए विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इंदिरानगर, राजाजीपुरम और पारा सहित लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं ने बरगद के वृक्ष की पूजा कर व्रत पूरा किया। ज्येष्ठ महीने में पड़ने वाला वट सावित्री व्रत शादीशुदा महिलाओं के लिए बेहद खास माना जाता है। अखंड सौभाग्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए महिलाएं इस दिन विशेष पूजा-अर्चना करती हैं और व्रत रखती हैं। यह व्रत विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और दांपत्य जीवन में सुख-समृद्धि की कामना के लिए रखती हैं। पूजा करने वाली गीता देवी ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन बरगद के वृक्ष की पूजा और सावित्री-सत्यवान कथा को सुनना विशेष फलदायी माना जाता है। मान्यता है कि देवी सावित्री ने अपने पतिव्रत और दृढ़ संकल्प के बल पर यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। इसी कारण यह व्रत नारी शक्ति, समर्पण और अटूट प्रेम का प्रतीक माना जाता है। इस दिन व्रत और पूजा के साथ कुछ विशेष नियमों और शुभ कार्यों का पालन करने से व्रत का फल और अधिक बढ़ जाता है।

पंचांग के अनुसार वैशाख अमावस्या तिथि 16 मई 2026 को सुबह 5 बजकर 11 मिनट पर प्रारंभ हुई।

यह तिथि 17 मई 2026 को रात 1 बजकर 30 मिनट पर समाप्त होगी।

उदयातिथि (सूर्योदय के समय तिथि की मान्यता) के आधार पर वट सावित्री व्रत 16 मई 2026, शनिवार को रखा गया।

लखनऊ में अफेयर के शक में हत्या
शव से भरा बैग इंदिरा डैम ले गया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में अफेयर के शक में युवक ने पत्नी की हत्या कर दी। शव को ट्रॉली बैग में भरकर इंदिरा डैम के पास फेंक दिया। इसके बाद थाने पहुंचकर पत्नी के लापता होने की सूचना दी। बार-बार बयान बदलने पर पुलिस को उस पर शक हुआ। कड़ाई से पूछताछ में उसने पत्नी की हत्या करने की बात कबूल की। उसकी निशानदेही पर शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर युवक गिरफ्तार कर लिया। घटना चिनहट की है। मृतका की पहचान 24 वर्षीय यास्मीन पत्नी अल्ताफ उर्फ कल्लू के रूप में हुई है सब्जी कारोबारी मोहम्मद सईदद मूल रूप से सीतापुर के रहने वाले हैं। करीब 8 साल से चिनहट में परिवार के साथ रहते हैं। उनकी बेटी यास्मीन की 6 साल पहले चिनहट के अल्ताफ उर्फ कल्लू से शादी हुई थी। दोनों की 1 बेटी और 1 बेटा है। 14 मई की सुबह करीब 8 बजे अल्ताफ चिनहट थाने पहुंचा। पुलिस को पत्नी यास्मीन के लापता होने की सूचना दी। पुलिस ने उससे यास्मीन के बारे में कुछ सवाल किए तो उसने कई बार बयान बदले। इस पर पुलिस को उस पर शक हुआ। पुलिस ने उससे कड़ाई से पूछताछ की। इस पर उसने बताया- मुझे शक था कि यास्मीन का करीबी रिश्तेदार से अफेयर है। इसको लेकर हम दोनों का अक्सर विवाद होता था। 13 मई की रात में भी हम दोनों का इसी बात को लेकर विवाद हुआ। 14 मई की तड़के करीब 4 बजे मैंने गला दबाकर यास्मीन की हत्या कर दी। उसके शव को ट्रॉली बैग में भर दिया। पुलिस की पूछताछ में अल्ताफ ने बताया कि हत्या करने के करीब एक घंटे बाद शव को ट्रॉली बैग में भरकर चिनहट बाजार आया। ई-रिक्शा बुक करके इंदिरा डैम गया। वहां ई-रिक्शा से उतर गया। बैग को इंदिरा डैम के किनारे ले जाकर झाड़ियों में फेंक दिया। इसके बाद वापस घर आ गया। घरवालों को यास्मीन के लापता होने की सूचना दी। घरवालों ने पुलिस से शिकायत करने को कहा, तो चिनहट थाने में गुमशुदगी दर्ज कराने पहुंचा। अल्ताफ ने हत्या की बात कबूल कर ली तो पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। उसे लेकर इंदिरा डैम के किनारे पहुंची। उसके बताए गए स्थान पर यास्मीन के शव से भरा ट्रॉली बैग बरामद हुआ। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

प्रतीक यादव का अस्थि विसर्जन हरिद्वार में
सैफई परिवार करने के लिए रवाना हुआ

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के छोटे पुत्र और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक यादव का अस्थि विसर्जन हरिद्वार में शनिवार को सैफई परिवार में करने के लिए रवाना हुआ है। बुधवार रात प्रतीक का निधन पल्मोनरी एम्बोलिज्म यानी शरीर में खून का थक्का जमने से हो गया था। सिविल अस्पताल में डॉक्टरों की इसकी पुष्टि की थी। केजीएमयू में पोस्टमार्टम कराने के बाद प्रतीक का पार्थिव शरीर घर लाया गया था, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई मंत्री, विधायकों व अन्य ने श्रद्धासुमन अर्पित किया था। गुरुवार को राजधानी के बैकुंठधाम में उनका अंतिम संस्कार हुआ था। श्मशान घाट में सैफई परिवार के साथ ही प्रतीक के मित्र व करीबी बड़ी संख्या में पहुंचे थे। प्रतीक के श्वसुर अरविंद सिंह बिष्ट ने उनको मुखाग्नि दी थी। अब शनिवार सुबह 8.30 बजे पूर्व मंत्री शिवपाल यादव के बेटे सांसद आदित्य यादव, धर्मेंद्र यादव और करहल विधायक तेज प्रताप बैकुंठ धाम पहुंचे। वहां से अस्थि लेकर सुबह 10.30 बजे निजी चार्टर से अपर्णा, दोनों बेटियां और भाई अमन सिंह के साथ हरिद्वार के लिए रवाना हुए। वहां स्वामी अवधेशानंद पूजन कराएंगे। इसके बाद आदित्य यादव उर्फ अंकुर भाई प्रतीक यादव का अस्थि विसर्जन करेंगे।

सोशल मीडिया पर अनुचित पोस्ट करने वाले पुलिसकर्मियोंपर होगी कार्रवाई

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

जारी पत्र में कहा गया है कि सोशल मीडिया पॉलिसी-2023 लागू होने के बावजूद कई कर्मचारी अनुशासनहीन पोस्ट कर रहे हैं। इससे विभाग की छवि प्रभावित हो रही है। एडीजी कानून एवं व्यवस्था अमिताभ यश की ओर से जारी आदेश में सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों, इकाई प्रमुखों और वरिष्ठ अधिकारियों को ऐसे मामलों की जांच कर दोषियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यालय ने पुलिसकर्मियों को अपनी आधिकारिक पोस्ट, यूआरएल और अन्य जरूरी सूचनाएं सुरक्षित रखने को भी कहा है। पत्र में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि सोशल मीडिया पर की गई अनुचित गतिविधियां न केवल सरकारी कार्य को प्रभावित करती हैं, बल्कि प्रदेश पुलिस की गरिमा और विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचाती हैं। पुलिस मुख्यालय ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को 8 फरवरी 2023 को जारी सोशल मीडिया पॉलिसी का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं।

LU के असिस्टेंट प्रोफेसर गिरफ्तार
छात्रा से बोले- 'डार्लिंग, पेपर आउट करा दिया' ऑडियो वायरल होने पर कार्रवाई

लखनऊ यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर परमजीत सिंह (50) को पुलिस ने शुक्रवार रात गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि प्रोफेसर ने बीएससी फाइनल ईयर की छात्रा को फोन किया और मिलने का दबाव बनाया। कहा, 'डार्लिंग, तुम्हारे लिए पेपर आउट करा दिया है। एग्जाम से पहले घर से आ जाओ। यहां पेपर तुम्हें दे देते हैं।' फोन कटने पर छात्रा कहती है- ये मुझे बुला रहे हैं। मुझे पेपर नहीं चाहिए। मुझे फिर से मोलेस्ट (उत्पीड़न) करना चाहते हैं। आरोपी ने 14 और 15 मई की रात छात्रा को फोन किया। छात्रा ने बातचीत रिकॉर्ड कर ली और फिर वायरल कर दी। शुक्रवार को ऑडियो सामने आने के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन ने असिस्टेंट प्रोफेसर के खिलाफ जांच बैठाई। यूनिवर्सिटी ने देर शाम हजरतगंज थाने में प्रोफेसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। ऑडियो क्लिप भी दी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी प्रोफेसर को देर रात यूनिवर्सिटी कैंपस से पकड़ लिया। शनिवार यानी आज उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। आरोपी प्रोफेसर 4 साल से जूलॉजी डिपार्टमेंट में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। वह बिजनौर के रहने वाले हैं। पत्नी और दो बेटियों के साथ लखनऊ में रहते हैं। प्रोफेसर ने फोन कॉल पर छात्रा से दावा किया कि मेन सब्जेक्ट और इलेक्टिव (वैकल्पिक विषय) दोनों पेपर लीक कर दिए हैं। बातचीत के दौरान प्रोफेसर बार-बार छात्रा को मिलने के लिए बुला रहे हैं। जबकि छात्रा लगातार मिलने से इनकार कर रही है। यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया, मामले को गंभीरता से संज्ञान में लिया। इस संबंध में जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जांच पूरी होने के बाद दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं, जूलॉजी डिपार्टमेंट की हेड प्रो.अमिता कनौजिया ने कहा- ऑडियो संज्ञान में आया है। मैंने भी सुना है। आवाज उन्हीं प्रोफेसर की लग रही है। परीक्षा नियंत्रक ने अपनी शिकायत में कहा- 14 और 15 मई 2026 की रात जूलॉजी डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. परमजीत सिंह और एक छात्रा के बीच हुई आपत्तिजनक बातचीत की तीन ऑडियो रिकॉर्डिंग मिली हैं। यह परीक्षा की गोपनीयता और छात्रा की गरिमा के खिलाफ गंभीर मामला है। ऑडियो रिकॉर्डिंग की पेन ड्राइव शिकायत पत्र के साथ सौंपी गई।

उन्नाव पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल

20 मुख्य आरक्षी और कांस्टेबलों के तबादले

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 20 मुख्य आरक्षियों और आरक्षियों का तबादला किया है। कई पुलिसकर्मियों को अलग-अलग थानों में नई तैनाती दी गई, जबकि कुछ को पुलिस लाइन संबद्ध किया गया है। पुलिस विभाग के अनुसार यह बदलाव कार्यक्षमता बढ़ाने और कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया है।

उन्नाव में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाने और कार्यक्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से एक बड़ा फेरबदल किया है। इस प्रक्रिया में 20 मुख्य आरक्षियों और आरक्षियों का तबादला किया गया है। कई पुलिसकर्मियों को एक थाने से दूसरे थाने भेजा गया है, जबकि कुछ को पुलिस लाइन में संबद्ध किया गया है। संबंधित पुलिसकर्मियों को तत्काल नई तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जारी सूची के अनुसार, बांगरमऊ थाना में तैनात कांस्टेबल शोभित कुमार और रजत तोमर को पुलिस लाइन भेजा गया है। थाना सफीपुर से आरक्षी राघवेंद्र गुर्जर को मौरावां और समर बहादुर सिंह को असोहा थाने में नई तैनाती मिली है। वहीं, आसीवन थाना में तैनात आरक्षी रमाकांत का तबादला बारासगवर थाना कर दिया गया है। मुख्य आरक्षी भैयालाल को बांगरमऊ से गंगाघाट स्थानांतरित किया गया है, जबकि बिहार थाना में तैनात आरक्षी प्रमोद कुमार को भी गंगाघाट भेजा गया है। सफीपुर से आरक्षी रामबरन को पुलिस लाइन भेजा गया है। हसनगंज थाना से मुख्य आरक्षी धर्मेंद्र सिंह को बीघापुर और आरक्षी देवेश पाल को बिहार थाना भेजा गया है। इसके अतिरिक्त, औरास थाना से मुख्य आरक्षी त्रिवेणी प्रसाद को बांगरमऊ और महिला आरक्षी रंजना को फतेहपुर चौरासी थाना स्थानांतरित किया गया है। सोहरामऊ थाना से आरक्षी राजेंद्र सिंह को सफीपुर भेजा गया, जबकि आरक्षी मुकुल को पुलिस लाइन संबद्ध किया गया है। एसएसपी जयप्रकाश सिंह द्वारा जारी आदेश में आरक्षी पवन कुमार को सफीपुर से बेहटा मुजावर और मुख्य आरक्षी गोविंद यादव को बांगरमऊ से अचलगंज भेजा गया है। वहीं, मुख्य आरक्षी सुभाष चंद्र को बेहटा मुजावर से सोहरामऊ, आरक्षी राजेश सिंह को बांगरमऊ से पुरवा और मुख्य आरक्षी हिमांशु सिंह को पुलिस लाइन से बांगरमऊ थाने में तैनाती दी गई है। इसके साथ ही, मुख्य आरक्षी अरविंद कुमार को पुलिस लाइन से प्रोविजनल लाइन शाखा में सहायक भर्ती क्लर्क की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह फेरबदल प्रशासनिक जरूरतों और कार्य व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया है।

पेट्रोल-डीजल महंगा होने से 30 लाख का अतिरिक्त बोझ

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव। पश्चिमी एशिया में चल रहे तनाव और कच्चे तेल के दाम बढ़ने से पेट्रोलियम कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम तीन-तीन रुपये बढ़ाए हैं। जिले के लोगों को अब पेट्रोल और डीजल पर रोज 30 लाख रुपये अधिक खर्च करने होंगे। खाड़ी देशों में चल रहे तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेजी का असर अब आम लोगों पर पड़ गया है। शुक्रवार को पेट्रोलियम कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमत में तीन-तीन रुपये का इजाफा किया है। अबतक प्रति लीटर 94.65 रुपये में बिक रहा पेट्रोल अब 97.49 रुपये और 87.76 रुपये लीटर में मिलने वाला डीजल अब 90.77 रुपये हो गया है। जिला पूर्ति कार्यालय के अनुसार जिले में रोज औसतन तीन लाख लीटर पेट्रोल और सात लाख लीटर डीजल की खपत होती है। इस तरह पेट्रोल पर जिले भर के लोगों को रोज नौ लाख रुपये और डीजल पर 21 लाख रुपये अधिक खर्च करने होंगे। जिला पूर्ति अधिकारी राजबहादुर सिंह ने बताया कि पेट्रोल पंपों की नियमित जांच की जाती है। कहीं भी घटतौली या अन्य कोई गड़बड़ी मिलेगी तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अमावस्या स्नान के अवसर पर गंगा घाटों पर भारी भीड़

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में शनिवार को अमावस्या स्नान के अवसर पर गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। ब्रह्ममुहूर्त से ही श्रद्धालु गंगा तट पर पहुंचने लगे और आस्था की डुबकी लगाई। घाटों पर पूरे दिन 'हर-हर गंगे' और 'गंगा मैया की जय' के जयघोष गूंजते रहे। महिलाओं ने गंगा स्नान के बाद वट वृक्ष की पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि और लंबी आयु की कामना की। गंगा स्नान के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने गंगा में स्नान कर दान-पुण्य किया।घाटों के किनारे पूजा सामग्री, फूल-माला और प्रसाद की दुकानों पर दिनभर भीड़भाड़ बनी रही। श्रद्धालुओं की मौजूदगी से घाटों पर मेले जैसा माहौल दिखाई दिया। अमावस्या स्नान को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। प्रमुख घाटों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग की गई, जबकि गोताखोरों और नाविकों को भी अलर्ट मोड पर रखा गया।

पुलिसकर्मी लगातार घाटों पर गश्त करते रहे और लोगों से सावधानी बरतने की अपील करते रहे। लाउडस्पीकर के माध्यम से श्रद्धालुओं को गहरे पानी में न जाने और बच्चों पर विशेष नजर रखने की सलाह दी गई। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रमुख मार्गों पर भी पुलिस बल तैनात रहा। घाटों के आसपास वाहनों की पार्किंग के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी, जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी न हो।

नगर पंचायत और संबंधित विभागों की टीमों ने घाटों पर साफ-सफाई की जिम्मेदारी संभाली। वहीं स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्राथमिक उपचार के लिए चिकित्सा कर्मियों की टीम भी तैनात रही। प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

ट्रांस गंगा सिटी सब-स्टेशन से ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ दिया गया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में सदर विधायक पंकज गुप्ता ने घोषणा की है कि ट्रांस गंगा सिटी सब-स्टेशन से ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ दिया गया है। इस कदम से क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांवों को सीधा लाभ मिलेगा, जिससे बिजली आपूर्ति पहले से अधिक बेहतर और सुचारू हो सकेगी। विधायक पंकज गुप्ता ने शनिवार को बताया कि पिछले कई महीनों से क्षेत्र में बिजली संबंधी समस्याएं लगातार बनी हुई थीं। गर्मी बढ़ने के कारण कई सब-स्टेशन ओवरलोड हो गए थे, जिससे कम वोल्टेज, जर्जर तारों में फॉल्ट और बार-बार बिजली बाधित होने जैसी परेशानियां सामने आ रही थीं। उन्होंने कहा कि जनता की ओर से लगातार यह मांग की जा रही थी कि ट्रांस गंगा सिटी सब-स्टेशन से आसपास के गांवों को जोड़ा जाए, ताकि अन्य सब-स्टेशनों पर भार कम हो सके। इस योजना के तहत, अब लगभग एक दर्जन से अधिक गांवों को इसी सब-स्टेशन से बिजली आपूर्ति दी जाएगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर वोल्टेज मिलेगा और बिजली कटौती व तकनीकी फॉल्ट की समस्या में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि इस समस्या को विद्युत चौपाल के दौरान गंभीरता से उठाया गया था। उसी समय विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता (एसई) और अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) से चर्चा कर इस योजना को लागू करने की दिशा में काम शुरू किया गया। विधायक ने विभागीय अधिकारियों और स्थानीय जनता के सहयोग से इस कार्य के संभव होने की बात कही। पंकज गुप्ता ने कहा कि क्षेत्रवासियों की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है और बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों और क्षेत्र की जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि लोगों की मांग और सहयोग के कारण ही यह महत्वपूर्ण कार्य पूरा हो सका। स्थानीय लोगों ने भी ट्रांस गंगा सिटी सब-स्टेशन से गांवों को जोड़ने के इस फैसले का स्वागत किया है। ग्रामीणों का कहना है कि इससे उनकी लंबे समय से चली आ रही बिजली संबंधी समस्या का समाधान होगा।

सपा कार्यालय में यूपी बोर्ड के हाईस्कूल और इंटर परीक्षा के टॉपरों को सम्मानित किया गया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव। सपा कार्यालय में यूपी बोर्ड के हाईस्कूल और इंटर परीक्षा के टॉपरों को सम्मानित किया गया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व सांसद अन्नू टंडन ने यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा के टॉपरों को लैपटॉप और साइकिल देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मानित इंटरमीडिएट के टॉपरों आराध्या पटेल, श्रेया शर्मा, आरोही सिंह, अभय अवस्थी, श्रेया पाल, शिवम सैनी, निधि निषाद को लैपटॉप व प्रशस्तिपत्र दिया गया। हाईस्कूल के टॉपरों राखी रावत, खुशी सिंह, मनु यादव, दिव्यांशी, आयुष शर्मा, दिव्या, अमिषि द्विवेदी, तन्मय सिंह, अंशिका, अभिराज गौतम, देवांश अस्थाना, आदित्य यादव, अश्विनी, अवि शर्मा, प्रियंका वर्मा को साइकिल व प्रशस्ति पत्र दिए गए। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष राजेश यादव, जिला महासचिव हेमंत पाल, मनीष मिश्रा, रईस अहमद, शिवशंकर गौतम, सीके त्रिपाठी, अनवर सिद्दीकी, सैयद इरफान, साधु यादव, जितेंद्र यादव, रामबहादुर यादव, छोटेलाल भारतीय, सदर विधानसभा अध्यक्ष मनीष सैनी, नितिन पटेल समेत सभी फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

सिकंदरपुर कर्ण गांव में महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

उन्नाव के बीघापुर थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर कर्ण गांव में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने महिला के जेवर चोरी होने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। मृतका की पहचान 34 वर्षीय खुशी त्रिवेदी पत्नी सुजीत कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, खुशी हाल ही में रायबरेली जिले में बुआ के लड़के के तिलक कार्यक्रम में शामिल होने गई थीं। कार्यक्रम से लौटने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। हालत गंभीर होने पर उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने आरोप लगाया है कि तिलक कार्यक्रम के दौरान खुशी के जेवरात भी चोरी हो गए थे। उन्होंने बताया कि खुशी के पास छाला, झुमकी, तीन अंगूठियां और एक चेन थी, जो कार्यक्रम के बाद नहीं मिली। इस बात को लेकर परिवार में चिंता और संदेह का माहौल है। बीघापुर थाना प्रभारी राजपाल ने बताया कि मौत के कारणों को लेकर अभी कुछ भी स्पष्ट रूप से कहना जल्दबाजी होगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा और आगे की कार्रवाई की जाएगी। यदि परिजनों की ओर से कोई तहरीर दी जाती है, तो उसके आधार पर जांच की जाएगी।

गोरखपुर में 393 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का भूमि पूजन और शिलान्यास किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलो इंडिया, फिट इंडिया मूवमेंट और सांसद खेल स्पर्धा से नई खेल संस्कृति आगे बढ़ी है. इसका परिणाम है कि ओलंपिक, एशियाड, कामनवेल्थ और विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिभाग और मेडल की संख्या दोनों में वृद्धि हुई है.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में 393 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का भूमि पूजन और शिलान्यास करने के साथ ही खेल और खिलाड़ियों के हित मे एक नई और बड़ी घोषणा भी कर दी. उन्होंने ऐलान किया कि इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के बगल में रिजर्व कराई गई 60 एकड़ भूमि पर विश्व स्तरीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा. कार्यक्रम में केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी मौजूद रहे। सीएम योगी ने कहा कि यहां 46 एकड़ में 30 हजार दर्शकों की क्षमता का इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम तो बनेगा ही, इसके बगल की 60 एकड़ भूमि पर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी बनाएंगे. इसमें हर तरह के इनडोर गेम्स की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी. वहां हॉकी और अन्य आउटडोर गेम्स भी हो सकेंगे. उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनने से इस क्षेत्र में होटल, रेस्त्रां, मार्केट की नई श्रृंखला भी तैयार होगी और बड़ी संख्या में नए रोजगार भी सृजित होंगे. मुख्यमंत्री ने ताल नदोर क्षेत्र में हो रहे विकासपरक बदलाव की चर्चा करते हुए कहा कि आज से पांच वर्ष पहले यह क्षेत्र बंजर पड़ा था. यह क्षेत्र उपेक्षित था, जिसकी मर्जी होती वह जमीन कब्जा कर लेता था. अब यहां की जमीन कब्जामुक्त है. साथ ही डबल इंजन सरकार इस भूमि पर नौजवानों के भविष्य को तराशने का एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवा रही है. उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम को युवाओं और भावी पीढ़ी के सपनों को साकार करने के लिए उत्कृष्ट उपहार बताया है सीएम योगी ने कहा कि सरकार के पास भूमि होगी तो उसका उपयोग लोककल्याण के लिए होगा. अगर सरकार की भूमि पर कोई कब्जा करेगा तो वह व्यक्ति विशेष अपने तरीके से दुरुपयोग करेगा, इसलिए सरकारी भूमि का उपयोग लोककल्याण कार्य और विकास की परियोजना की दृष्टि से होना चाहिए. उन्होंने कहा कि इसी विजन से ताल नदोर में पशु चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना भी की जा रही है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रदेश को माफियामुक्त, गुंडा मुक्त, दंगामुक्त, कर्फ्यूमुक्त बनाया है. इससे प्रदेश विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि जब विकास होता है तो रोजगार का सृजन स्वतः स्फूर्त भाव से होता है. मुख्यमंत्री ने लोगों को आगाह किया कि जो लोग जाति, भाषा, क्षेत्र के नाम पर बांटते है, वो आपके हितैषी नहीं हो सकते। जब भी उनके पास सत्ता आई तो वे गुंडागर्दी अराजकता, अव्यवस्था करते रहे. उन्होंने सत्ता का दुरुपयोग अपने परिवार के लिए किया, जनता हित के लिए कभी नहीं किया. पर, आज की डबल इंजन सरकार आमजन के कल्याण के लिए, रोजगार सृजन के लिए कार्य कर रही है.सीएम योगी ने खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि यूपी में अब तक हम लोग 534 से अधिक पदक विजेता खिलाड़ियों को सीधी भर्ती के जरिये सरकारी नौकरी दी जा चुकी है. साथ ही 500 खिलाड़ियों की नई भर्ती फिर से निकाली है. इससे बहुत शीघ्र ही जिन्होंने भी ओलंपिक, एशियाड, कॉमनवेल्थ, वर्ल्ड चैंपियनशिप आदि में मेडल जीते हैं, उन्हें सीधी भर्ती के माध्यम से नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाएगा.

यूपी में मानसून में कम बारिश होगी

यूपी में मानसून 18 जून के आसपास दस्तक दे सकता है। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मानसून केरल में 26 मई के आसपास पहुंच सकता है। उन्होंने कहा- मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह अनुमान लगाया गया है कि 18 जून को मानसून गोरखपुर के रास्ते उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगा। हालांकि, यह एक संभावित तिथि है। जब मानसून केरल से आगे बढ़ेगा, तभी सटीक तारीख का आकलन किया जा सकेगा। शनिवार को पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में मौसम साफ है। तेज धूप निकली है। मौसम विभाग ने झांसी और ललितपुर समेत 8 जिलों में हीटवेव (लू) का अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटों में कानपुर, हरदोई, बदायूं और जालौन में बारिश दर्ज की गई। वहीं, बांदा प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। बुधवार और गुरुवार को प्रदेश में आंधी-बारिश के चलते 111 लोगों की मौत हो गई थी। शुक्रवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ियों ने शोक जताया और दो मिनट का मौन रखा। जून से सितंबर के बीच उत्तर प्रदेश में भी सामान्य से कम बारिश होने की आशंका है। मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डॉ. एम महापात्रा ने बताया कि इस साल प्रशांत महासागर में ला नीना जैसी स्थितियां खत्म होकर अल नीनो की ओर बढ़ने के संकेत हैं। जो कम वर्षा का कारण बनेगी। यानी इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून के सामान्य से कमजोर रहने के संकेत हैं। साथ ही इस साल जनवरी-मार्च में उत्तरी गोलार्ध में बनी कम बर्फ भी मानसून को प्रभावित कर सकती है।

11 परिवारों के लिए सीएम योगी ने तत्काल सहायता देने के निर्देश दिए

: यूपी में आंधी-बारिश की वजह से बीते दिनों 111 लोगों की मौत हो गई थी। ऐसे में आंधी-तूफान से बेसहारा हुए परिवारों के लिए योगी सरकार सहारा बनी है। आंधी-तूफान से उजड़े 11 परिवारों के लिए सीएम योगी ने तत्काल सहायता देने के निर्देश दिए थे। सीएम योगी के निर्देश के बाद 24 घंटे के अंदर आंधी-बारिश से प्रभावित परिवार को सहायता राशि प्रदान की गई है। इसके लिए सभी 75 जिलों में प्रभारी मंत्री और जिलाधिकारी खुद प्रभावित परिवारों तक पहुंचे और सहयता प्रदान की। प्रभावित परिवारों को 4-4 लाख रूपये की सहायता राशि प्रदान की गई है। दरअसल, यूपी के कई जिलों में बीते दिनों तेज तूफान और भारी बारिश देखने को मिली। इस दौरान तेज आंधी-तूफान की वजह से पेड़ और बिजली के खंभे गिरने से भारी नुकसान हुआ। इस घटना में प्रदेश भर में 111 लोगों की मौत भी हो गई, जबकि करीब 72 लोग घायल हो गये। इस घटना के बाद योगी सरकार प्रभावित लोगों का सहारा बनी है। सीएम योगी की अपील पर 75 जिलों के प्रभारी मंत्रियों ने तत्काल प्रभावित लोगों से मुलाकात की और इलाके का दौरा किया। इसके अलावा सभी प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता राशि भी वितरित की गई। जानकारी के मुताबिक 24 घंटे के अंदर आंधी-तूफान से प्रभावित परिवारों को योगी सरकार की तरफ से कुल 5 करोड़ रूपये सहायता राशि प्रदान की गई है। इसमें प्रभावित परिवारों को प्रभारी मंत्री व जिलाधिकारी ने खुद जाकर 4-4 लाख रूपए की सहायता राशि दी। सीएम योगी के निर्देश पर 111 प्रभावित परिवारों को यह सहायता राशि सौंपी गई है। वहीं सीएम के निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारी लगातार प्रभावित परिवारों से संवाद भी कर रहे हैं। सीएम योगी ने जिलाधिकारियों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और पीड़ितों और उनके परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया था।

बरेली में 'नो व्हीकल डे' का असर, मंत्री ने छोड़ा काफिला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचाने की अपील का असर अब बरेली की सड़कों पर भी साफ दिखाई देने लगा है। शनिवार को जिले में ऐसा नजारा देखने को मिला, जब एक ओर वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण सक्सेना ने अपना सरकारी काफिला छोड़ ई-रिक्शा से कार्यक्रमों में हिस्सा लिया, वहीं दूसरी ओर जिलाधिकारी अविनाश सिंह समेत तमाम अधिकारी ई-बस में सवार होकर मीरगंज तहसील पहुंचे। प्रशासन की इस पहल ने लोगों का ध्यान खींच लिया। वन मंत्री डॉ. अरुण सक्सेना ने शनिवार को दिनभर सरकारी गाड़ियों और काफिले का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने ई-रिक्शा से यात्रा कर लोगों को ईंधन बचाने का संदेश दिया। मंत्री ने कहा कि पेट्रोल-डीजल की खपत कम करना समय की जरूरत है और सभी को छोटी-छोटी आदतों में बदलाव लाकर देशहित में योगदान देना चाहिए। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने जिले के अधिकारियों के लिए सप्ताह में दो दिन सोमवार और शनिवार को नो व्हीकल डे घोषित किया है। इस फैसले के तहत अधिकारी इन दिनों निजी वाहनों का इस्तेमाल करने से बचेंगे और साइकिल, पैदल या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करेंगे। शनिवार को मीरगंज तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में हिस्सा लेने के लिए डीएम समेत कई जिला स्तरीय अधिकारी एक साथ ई-बस से रवाना हुए। सुबह जिलाधिकारी पैदल कलेक्ट्रेट पहुंचे, जबकि सिटी मजिस्ट्रेट राजेश वर्मा साइकिल से कार्यालय आए। प्रशासन की यह पहल शहर में चर्चा का विषय बनी रही।